

राज
कॉमिक्स
मूल्य 15.00 संख्या 250

नागराज और लाल मौत

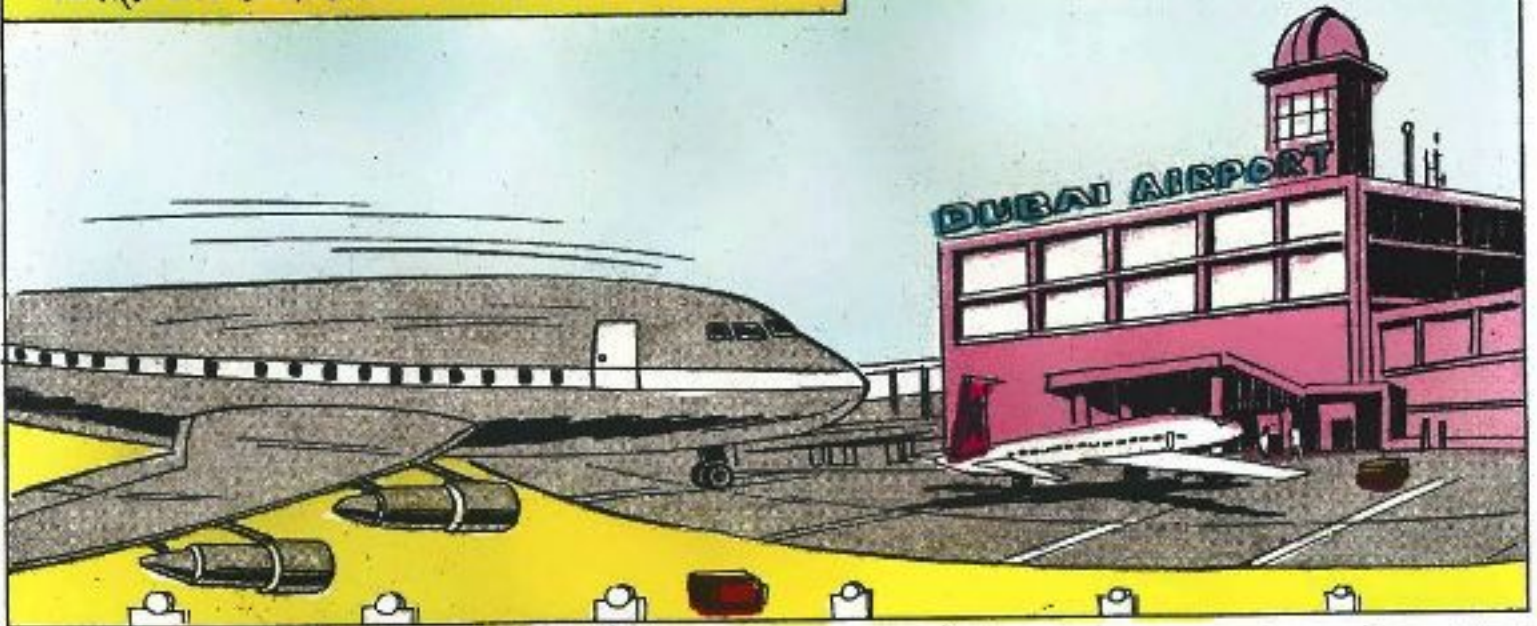


मुफ्त
नागराज का एक पोस्टर

नागराज और लाल भौत

लेखक : तरुणकुमार वाही
सम्पादन : मनीष चन्द्र गुप्त
कल्पानिर्देशन : प्रताप सुळीक
चित्र : चंदू
सूत्रेख : पुष्पा पालवणकर

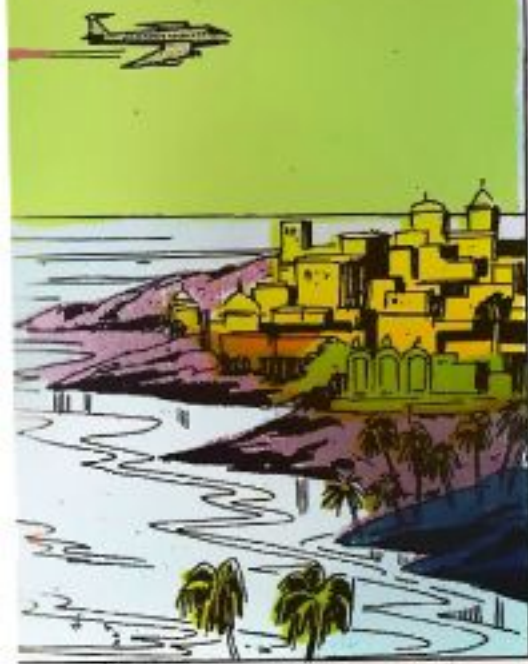
नागराज ! बच्चों का दोस्त ! अपराधियों का दुश्मन ! विश्व से खतरनाक आतंकवादी
गिरोहों और अपराधियों को समाप्त करने का प्रण लिया...०००



००० दुबई आ पहुंचा -



दुबई! संयुक्त अरब अमीरात के सात प्रांतों में से एक - समुद्र से घिरा एक समृद्धशाली द्वीप -



दुबई! अपने भीतर तेल के अम्बार सेमेटे स्वाड़ी देशों का एक गौरव, जिसका हासन वहां के अमीर अलबुखारी के हाथों में था -



रायणा स्वातून! अमीर अलबुखारी की हकप्यौती पुत्री। जो अपने वाहिद के साथ सक्रिय रूप से राजनीति में प्रवेश कर चुकी थी -



यूसुफ बिन अली खान - उर्फ YBAK



यूसुफ बिन अली खान अंतर्राष्ट्रीय शांतिर अपराधी! दुनिया भर में उसका जानवरों की स्वात्यों, सींगों व बेहाकीमती हाथी दांत का अवैध व्यापार चलता था -

अमीर अल-बुखारी की हत्या कर...

हेल्लो! मुझे कहते हैं यूसुफ बिन अली खान!



यूसुफ बिन अली स्वामने दुबई की सत्ता हथिया ली-



आज से मैं हूँ दुबई का नया अमीर!

सत्ता परिवर्तन के पड़चात अपने विरोधियों को समाप्त करने के बाद यूसुफ को तलाश थी रुएबा की-



मुझे रुएबा चाहिए। जिन्दा या सुर्दा।

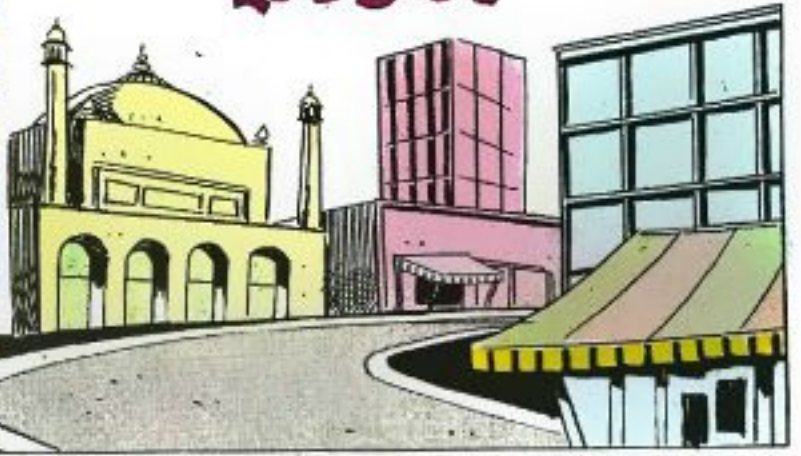
जबकि रुएबा एक संकट कालीन बंकर में जा छिपी थी-



मैं तुझे रेंज की सांस नहीं लेने दूंगी डौतान हत्यारे यूसुफ!

यूसुफ का आतंक मौत के सायस्न के रूप में जब गूँजता तो ड़ाहर में कपर्यु भगजाता और -

बूडडकुड



मौत का काफित्वा यूसुफ के विरोधियों को रेंदने चल पड़ता-



लास मौत - युसुफ बिन अली खान के महल के चारों तरफ फैली मौत। जो धरती पर पड़ती जरा सी आहत पर झपट पड़ती थी -



आहत चाहे आदमी के कदमों की हो या तोप के पहिए की -



लास मौत के पंजों से कोई नहीं बच सकता।

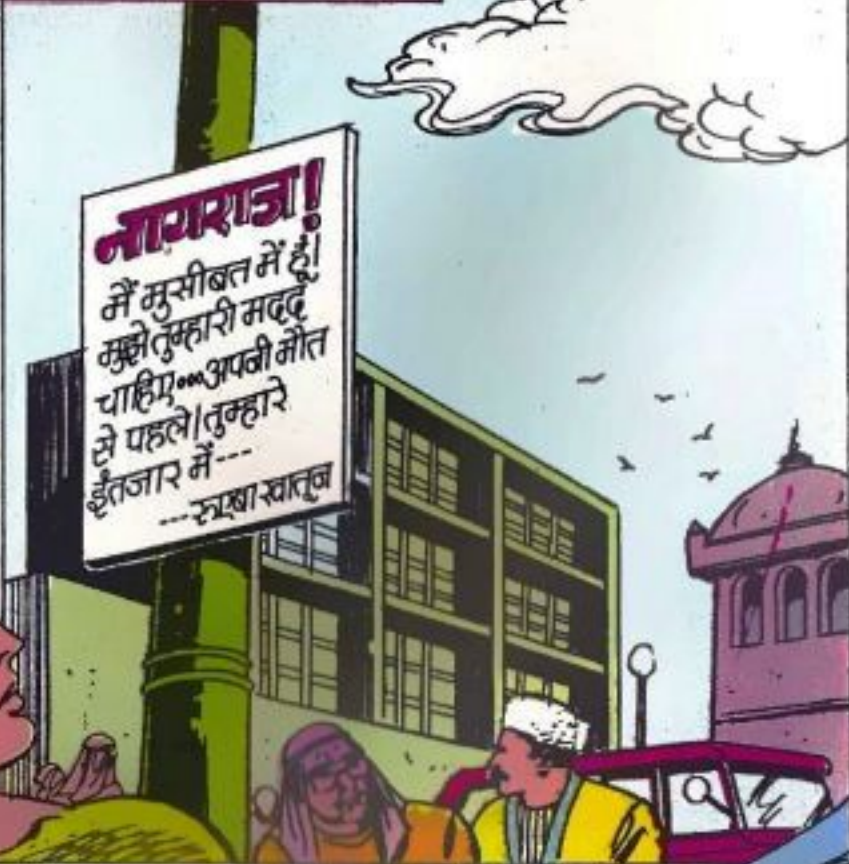
नागराज को इतना सब बताकर कोल्ड्रिंक वाला स्वामोश हो गया -



धन्यवाद दोस्त! तुमने मुझे युसुफ के बारे में बहुत जानकारी दी।

धन्यवाद कैसा नागराज, तुम भी तो हमें युसुफ बिन से निजात दिलाने दुबई आये हो।

दुबई शहर की एक सड़क पर -



रुखा खातुन? ओह तो इसे भी पता चल गया कि मैं दुबई आ चुका हूँ।

जगह-जगह मेरे नाम के पोस्टर लगे हैं। मुझे रुखा को बुदकर उसकी मदद करनी होगी।



अचानक एक तेज सायरन के साथ भगदड़ मच गई—



आज फिर किसी की मौत आ गई है।



दुकानों के झटपट बंद हुए—

टैंक दस्ता। मौत का काफिलना बूजरने वाला है भागो।



वहरो! यह सब क्या हो रहा है? यह एकाएक भगदड़ क्यों मच गई है?

शहर में जगह-जगह लगे पोस्टर नहीं देख रहे हो क्या?



यसुफ बिन अली खान ने सत्ता सम्भालते ही अपने विरोधियों का सिर कुचलना आरम्भ कर दिया है।

ओह, तो यही है मौत का सायरन।



आज शायद राणा का नम्बर है। नीजवान, अगर तुम्हें अपनी जान प्यारी है तो भागलो यहाँ से।



देखते ही देखते सारे बाजार में सन्नाटा छा गया—

इसका मतलब यूसुफ
बिन अली खान की रुपखा खातून
का पता मिल गया है।

नागराज चौंक पड़ा—

धूल का गुब्बार !
भीत का काफिला निकट आ
रहा है। मुझे किसी तरह
इस दस्ते में शामिल
होना होगा।

बुर्खे ई सस

तीन टैंक धड़धड़ते हुए
उसके सामने से गुजरे—

नागराज
तुम्हारी रक्षा
अवश्य करेगा
रुपखा

टैंकों के पक्की सड़क से रेत के मैदान में आते
ही धूल ही धूल छा गई—

धड़धड़

और इस धूल का लाभ उठाती नागरस्सी—

डाइविंग केबिन के फौजी चौक पड़े-



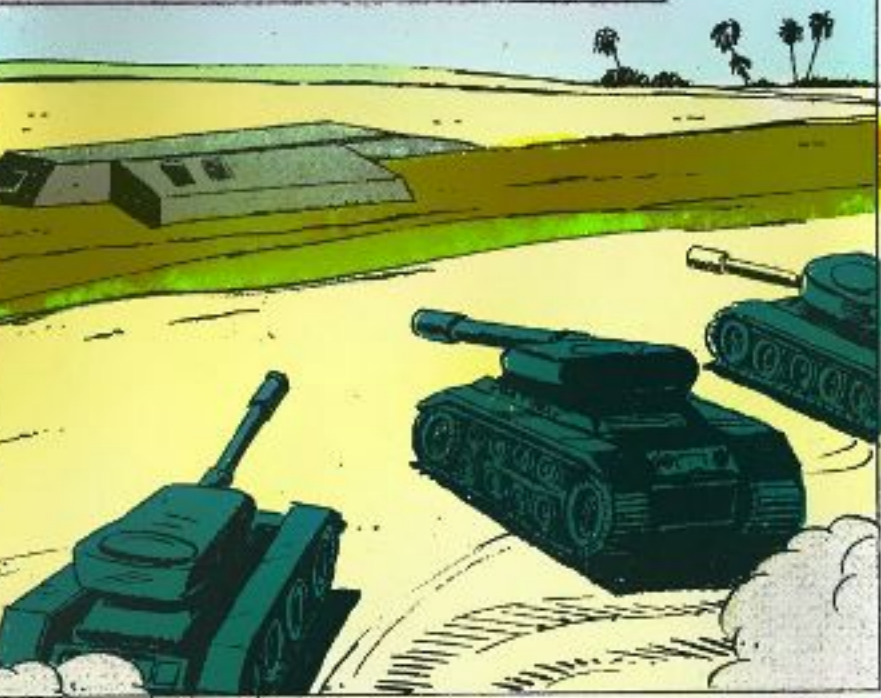
अबाने ही पल बिजली सी चमकी-



अब टुक नागराज के नियंत्रण में था-



शीघ्र ही नागराज को उसके प्रश्न का उत्तर मिल गया-



* बंकर: जमीन में कई मीटर नीचे कंक्रीट से बना बेहद सुरक्षित व मजबूत निवास। 7

YBAK कमांडर का वायरलेस संदेश -

साथ धान/आगे
बारूदी सुरंगों हैं। पोजीशन
लो।

उसी समय बंकर में बीस मीटर नीचे -

मैडम! बारूदी सुरंगों ने
YBAK फोर्स के एक टैंक
को उड़ा दिया है।

उनके दोनों टैंक तथा
फौजी पोजीशन ले
रहे हैं।

यह हमारे लिए स्वतःनाक
है। अगर उन्होंने गोलाबारी की तो
ये बंकर बचेगा नहीं।

तमी एक चेतावनी प्रसारित होने लगी -

रुएषा! हम
जानते हैं कि तुम
इस बंकर में छिपी हो।
मेरे तीन गिनने तक
आपने आपको हमारे
हवाले कर दो...

... अन्यथा अपनी
मौत की जिम्मेदार तुम
स्व होगी।

इन्हें मेरे यहां
होने की जानकारी
कैसे हुई?

रुक

मिस्टर मनसुब!
तीन की गिनती से पूर्व
ही इन्हें जवाब देना
होना।

हुर्रमन के
आगे झुकने से
रुएषा मर जाना
पसन्द करेगी।



मैडम ! यह क्या किया आपने ?

एम्बरजेंसी ब्लॉस्ट लीवर ऑन कर दिया ?! बीस मिनट बाद यह बंकर धमाके के साथ उड़ जाएगा।

हाँ



उधर देखो। टैंकों की नालियों का रुख बंकर की तरफ मुड़ गया है। हम चारों तरफ से घिर चुके हैं।



आह ! नागराज ! तुमने आंने में देर कर दी ! अब शायद रुएषा स्वातन तुमसे कभी न मिल पायेगी।

सबकी आतंकित निगाहें टी. वी. स्क्रीन पर चिपकी थीं—



तीन

और उस समय सबकी आंखें आश्चर्य से फट पड़ीं—



रुएषा के कंठ से विस्मयकारी चीख उबल पड़ी—



०००० नागराज ! य... यह तो नागराज ही है ! नागराज आ गया।

एकएक नली के मुड़ने से गोला एक भीषण धमाके के साथ जली में ही फट गया—



उत्तेजित सी हुई चीख पड़ी रुखा—



नागराज आ गया है।
बंकर से निकलकर दुश्मन
पर दूट पड़े। हमें नागराज की
मदद करनी है।

जबकि उसी समय बाहर नागराज की सर्प सेना तबाही मचा रही थी—



उधर लिफ्ट के रास्ते रुखा भीषण
गोलीबारी करती हुई बंकर से बाहर
निकल आई—



लड़
लड़
लड़
उफ

पलक झपकते ही लगावा लाकों के डेर के
बीच रुखा गरज उठी—



भाबो!
यह जगह
खाली कर दो।

धूल व धुएं के गुब्बार में खड़ी रुखा
एकाएक चीखती चली गई—



नागराज! नागराज! तुम
कहाँ हो?



मैं तुम्हारे पास
ही हूँ रुखा!

बुरी तरह उछलकर उसने आवाज की दिशा में देखा —



न जाने किस भावना में बहकर रुग्णा नागराज से लिपट गई —



तभी—

धड़ धड़



सहसा कुछ याद आते ही रुग्णा दहशत भरे स्वर में चिल्लाई—



बंकर प्रत्यक्षकारी विस्फोट के साथ एक हजार वर्ग मीटर तक क्षेत्र को मलबे के ढेर में बदलता चला गया—



जागराज व रुएबा सुरक्षित एक टीले पर खड़े थे—

रुएबा! यूसुफ बिन अली खान का काफी नुकसान कर दिया है तुमने!

जागराज। मैं उसकी मौत भी देखना चाहती हूँ। तभी मुझे येन मिलेगा।

रुएबा की आँसुओं से शोले गिस्ते लगे—

लेकिन एक बात मेरी समझ में नहीं आई रुएबा कि यूसुफ को तुमसे क्या खतरा हो सकता है?

सत्ता छिन जाने का खतरा।

अबू की हत्या कर वह दुबई का अमीर बन बैठा है, लेकिन लोग उसके बारे में सब कुछ जानते हैं। एक सुंस्वार अपराधी अगर देश की बागडोर सम्भाले तो जनता में भय व विरोध तो फैलेगा ही।

तुम भी तो यूसुफ की ही तलाश में दुबई आए हो। क्योंकि तुमने विश्व से आतंकवाद को समाप्त करने की कसम खाई है।

और जैसे ही मुझे पता चला कि तुम दुबई में आए हो मैंने पोस्टर वाली योजना बनाई थी। मुझे विश्वास था कि रात ही रात में जगह-जगह लगाए गए इन पोस्टरों की हवा तुम तक अवश्य पहुंचेगी।

और तुम्हारा अनुमान ठीक निकला।

रात का फायदा उठा कर हम आसानी से शहर में प्रवेश कर सकते हैं रुएबा।

शहर सामने है नागराज!



आगे की योजना हम किसी होटल में बनाएंगे। क्योंकि यूसुफ बिन अली स्वान को समाप्त करने के बाद दुबई की बागडोर में तुम्हें सौंपना चाहता है।



अगले दिन तीव्र शोर सुनकर दोनों की आंखें खुलीं—

यूसुफ बिन अली स्वान मुर्दाबाद रुएबा के हत्यारे गद्दी छोड़ो



लगताने बंकर ध्वस्त करने के बाद यह स्वबर फैला दी गई है कि मैं मारी गई हूँ।

ओह!



इस जन आक्रोश को देखते हुए तुम्हें दुबई की गद्दी सौंपने का मेरा निर्णय कुछ गलत नहीं था।



तभी मोत का सारजन किजां में गूंज उठा—

नागराज! इस विरोध को कुचलने के लिए YBAK फोर्स आ रही है।



प्रीज ने भीड़ को चारों तरफ से घेर लिया—



नागराज! इनमें से एक निर्दोष की भी जान नहीं जानी चाहिए!

YBAK फोर्स कमांडर का प्रत्येकारी आदेश गूँज उठा—

भुज डालो इन गार्दरों को!



लेकिन इससे पूर्व कि एक भी गोली चल पाती—



भीड़ ये करिश्मा देखकर उगी सी खड़ी थी—







यूसुफ बिन अली खान के बाद मैं गद्दी रुखा खातून की सौंपना चाहता हूँ। क्या ये आपको मंजूर है ?

रुखा ! लेकिन उसे तो उस हत्यारे ने...



रुखा जीवित है। वह देखो।

झोर मच गया —



नागराज ! तुम बच नहीं सकते। Y.B.AK तुम्हें कुत्ते की मौत...



इसे हमारे हवाले कर दो नागराज ! पहले हम इसे कुत्ते की मौत मारेंगे।

हां-हां इसे हमारे हवाले कर दो।



कच्चा

मुंह से नीले झाग। ओह, इसने स्वास्थले दांत में छिपा सायनाइड कैप्सूल चबा लिया है।



यह तो मर गया!



रुग्णा नागराज के निकट पहुंच गई - नागराज! इसने यातना व पीडा से बचने के लिए खुदकुशी कर ली है!

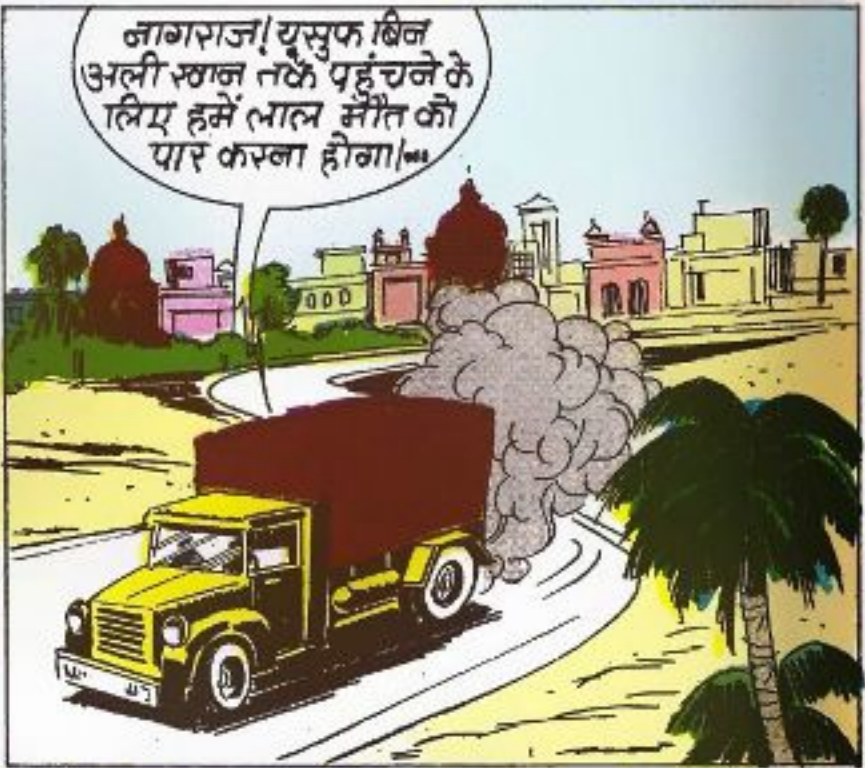
खुदकुशी तो हर उस इन्सान को करनी है जो यूसुफ का साथ दे रहा है!



फिर -

दोस्तो! मैं उस इंतान यूसुफ बिन अली खान को समाप्त करने जा रहा हूँ...

... और आपको यकीन दिलाता हूँ कि अमन का वह दुश्मन कल का सूर्योदय नहीं देख सकेगा!



नागराज! यूसुफ बिन अली खान तक पहुंचने के लिए हमें लाल मौत को पार करना होगा!



..उसके किले के बाहर कदम-कदम पर वह मौत छिपी हुई है!...

... मैं तुम्हें वहां तक पहुंचा सकती हूँ! बाकी का काम तुम्हारा होगा!



आधे घण्टे बाद रुग्णा ने ट्रक रुकवाया -

नागराज! तेल की ये सारी निष्कियत मुल्क की अमानत है जिसे अब यूसुफ बिन अली खान ने अपनी निजी सम्पत्ति घोषित कर दिया है!

और यहाँ से आरम्भ होती है लाल मौत।

और उस किले में है फोर्स का नेता यूसुफ बिन अली खान।



नागराज ने अपने रक्षक रेगिस्तान में छोड़ दिये -

यहाँ हमें कतम फुंक-फुंककर आगे बढ़ना होगा नागराज।

मेरे अंगरक्षक बारूदी सुरंगों का पता लगा लेंगे।



हमें इनके पीछे रहना होगा।



साँपों का पीछा करते दोनों आगे बढ़ते गए -

बारूदी सुरंगों जैसी तो यहाँ कोई बात नहीं दिखती।



अचानक -

दुर् र् र् र् र् र् र् र्



पलक झपकते के साथ ही नागराज ने अपने तीनों
अंगरक्षकों को गायब पाया -

उफ! यह
क्या बला
थी!

नागराज!
यही थी लाल
मौत!



हेलीकॉप्टर

गाड़ु गाड़ु गाड़ु



हा हा हा! नागराज!
रुग्णा! मेरे दोनों
शिंकार आज मेरी
मुट्ठी में हैं।
हा हा हा!

रुसूफ
खिने अली
स्वान!



नागराज! तुम लाल
मौत के घेरे में आ तो
पहुंचे हो। लेकिन यहाँ
से जिन्दा बच कर
नहीं जाओगे।



लाल मौत
कदमों की आहत पर
इसपटती है और अपने शिंकार
को तड़पने का भी मौका
नहीं देती!



तुम चूहे की तरह
फंस गए हो। हा हा हा!
अब अपने स्थान से हिलोगे
तो लाल मौत का शिंकार
हो जाओगे...



...नहीं हिलोगे तो
मेरे इन बमों का!
हा हा हा

नागराज!
बम SS

इससे पहले कि बम उनपर गिरकर उनके जिस्मों के चिथड़े उड़ा देता—

बड़ा

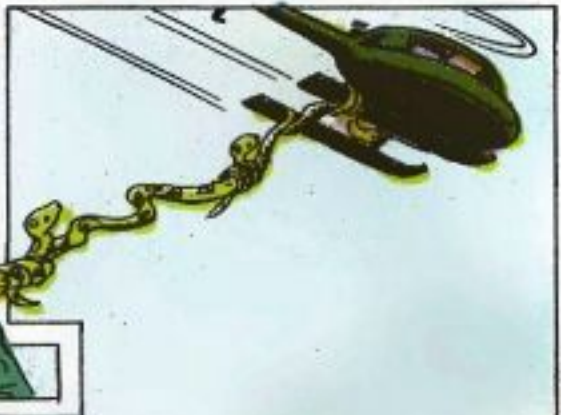
रुएबा! बचो!



उखलते ही नागरस्सी हवा में लपकी—



और अगले ही पल नागरस्सी हेलीकॉप्टर से लिपट गई—



यह देख यूसुफ बिनअली खान की आंखें फट पड़ीं—



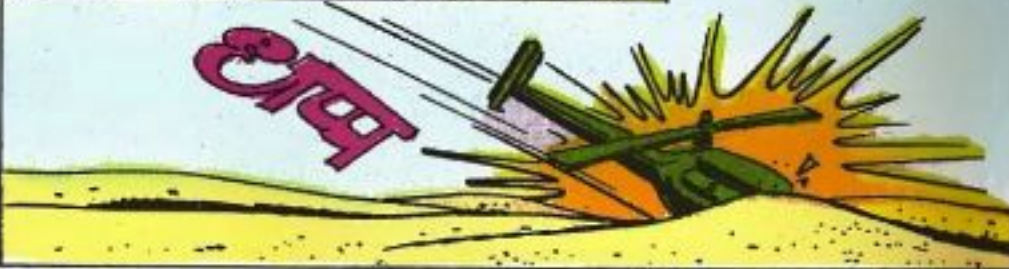
ठीक इसी पल—





उफ! नीचे गिरते ही लाल मोत मुझ पर भी आक्रमण करेगी!

हैलीकॉप्टर एक झटके के साथ रेत में आ धंसा—



मोत ने एक झटके के साथ बाहर निकलकर हैलीकॉप्टर को दबोचा—



और जमीन में समा गई—



अबाले ही पल हुए भीषण धमाके के साथ लाल मोत व हैलीकॉप्टर के चिथड़े कई फुट ऊपर तक उछल गए—



और धमाके के साथ ही रूपबा व नागराज सुरक्षित जमीन पर उतर गए—

नागराज! यहाँ रूपबा! लाल मोत का तो अन्त हो गया!

एक नहीं दर्जनों लाल मोत हैं!



लाल मोत हैलीकॉप्टर के साथ उसमें रखे हुए कुछ बमों को भी साथ लेकर जमीन के अंदर गई थी।

उधर यूसुफ बिन अली स्वान हर स्तर से टकराने के लिए तैयार था -



सतह से टकराने से पूर्व मुझे स्टेनगन जीप फैकनी होगी।

हल्की सी आइट भी मौत को निमंत्रण देना था -



ध्वट

यूसुफ बिन अली स्वान जैसे इसी पल के इंतजार में था -



धमाके के साथ ही यूसुफ बिन अली स्वान जमीन पर आलगा -



जागराज! अब तुम हैं दुनिया की कोई ताकत लाल मौत से नहीं बचा सकती।

उसने बम जागराज की तरफ उछाल दिया -



जागराज! बचो!



जागराज! बम!

इस बम की रोकना होगा।

नागराज हवा में लहराया—



वहीं नागराज रुको! उफ, यह तुमने क्या किया!

नागराज ने धम यूसुफ की तरफ उछाल फेंका। लेकिन यूसुफ बैचारा था—



ध्यांय
ध्यांय

बड़ा म
धम

ओह! अब मुझे जमीन से टकराने से कोई नहीं रोक सकता!

नागराज मौत की दस्तक दे बैठा।



उफ

धड़ धड़ धड़



धड़ धड़

वह दृश्य देखकर रोंगटे खड़े हो गए सुष्मा के—



नागराज!



तभी—

गड़ गड़ गड़

??

ओह! YBAK फोर्स का हेलीकॉप्टर यह मुझे लेने आया है!

हैलीकॉप्टर से सीढ़ी गिरा दी गई—



हा हा हा!
नागराज स्वतंत्र
हो गया। विद्रोह
से आतंकवाद के
सफाये की इच्छा
मन में लिए ही
मर गया
नागराज!

पर नागराज तो इधर भालू मौत से
उलझा था—

ओह! ये सुझे
रेत के नीचे इस
सुरंग में स्वीच
लायी है।

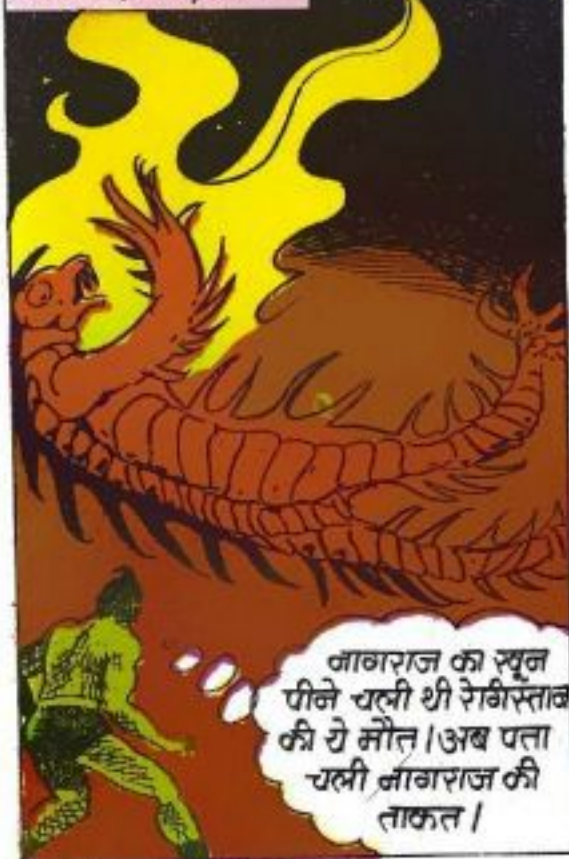
और अब
मेरा खून पीने
की चेष्टा कर
रही है।



उफ! अगर मैं कुछ
देर और इस मौत के पंजे
में रहा तो मेरा दम घुट
जायेगा।

अचानक चौंक पड़ा नागराज—

नागराज के शरीर के जहर को न झेल सकी
भालू मौत। नागराज के देखते ही देखते भालू
मौत ने दम तोड़ दिया—



नागराज का खून
पीने चली थी रेगिस्तान
की ये मौत। अब पता
चली नागराज की
ताकत।

ठीक उसी समय बाहर—

हा हा हा। नागराज
को मैंने स्वतंत्र कर दिया।
रुएबा! तुम भी मेरे साथ
चलोगी हा हा हा।



ठीक इसी पल -



उफ!
यह क्या?



रुग्ना मारे हैस्त के चीख पड़ी -



नागराज!

नागराज!



नागराज
लाल मौत के पंजों
से बच निकलना नहीं!
ये नहीं हो सकता!
कभी नहीं!

नागराज पर चढ़ता हुआ नागराज यूसुफ तक जा पहुंचा -

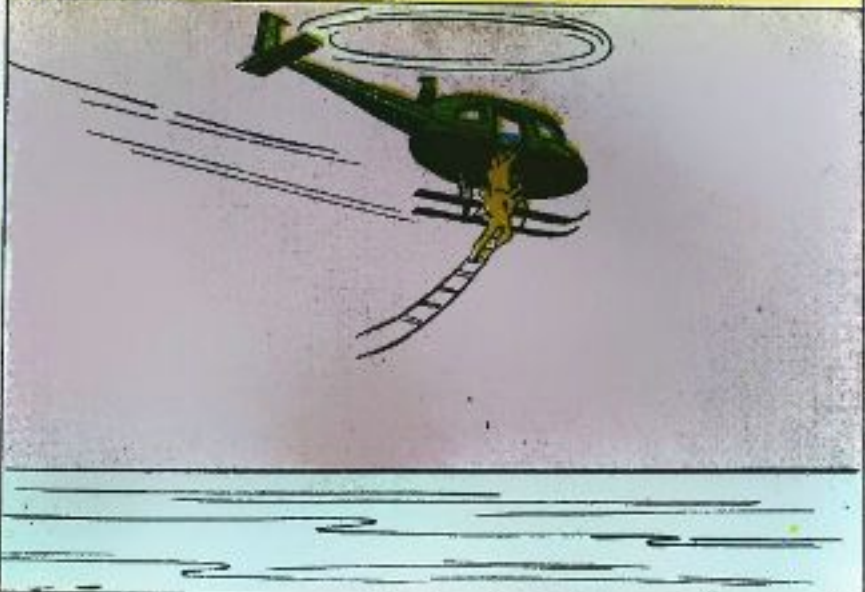


यूसुफ बिन अली
खान! तेरी लाल मौत
नागराज का विष
पचा नहीं पाई!

नहीं!



उस समय हेलीकॉप्टर उन्हें लेकर अथाह समुद्र पर मंडराने लगा था—



यूसुफ ने बेहद तेजी के साथ नागराज के जबड़े पर घूंसा जड़ दिया—



सिर की टक्कर—



इस बार नागराज ने घूंसे को रोक लिया—



नागराज के एक ही शक्ति-
शाली झटके के फलस्वरूप-

आर्यः लड़ीःःः



झपाक



गुड्डुप

नागराज भी समुद्र में कूद गया-



नागराज मौत बनकर यूसुफ की तरफ बढ़ने लगा-



विश्व शांति के
लिए तेरा अंत आवश्यक
है शैतान!





ओह, यह क्या? तेल की बीछार!



हा हा हा! नागराज! अब तुम तेल से सराबोर हो। सिर्फ एक गोली तुम्हें सख का देर बना देगी!



यूसुफ के रिबॉल्वर ने झोला उगला -

हा हा हा! कल के समाचार-पत्रों में छपेगी नागराज की मौत की खबर!

लेकिन नागराज वहां कहां था। वह तो यहाँ था, चलती लिफ्ट के नीचे लटक रहा हुआ—



अरे! कहां गया!



नागराज!

यसूफ ने रिवॉल्वर सीधा किया। लेकिन ठीक इसी पल—



धड़क



धड़क

अह



यसूफ अपने रिवॉल्वर पर इरपटा। किन्तु—

धड़क

नागराज की दायितीशाली ठोकर—



धड़क

धड़क

गिरते ही यूसुफ ने अपना अंतिम हाथियार बाहर निकाल लिया और गरज पड़ा—

स्वबस्वार!
स्वबस्वार! नागराज!
मेरे हाथ में बम
हैं!

हा हा हा हा!
मैं जानता हूँ नागराज
कि अब तुम मुझे जीवित
नहीं छोड़ोगे। लेकिन मेरे
साथ-साथ इस तेल कुएं
सहित तुम भी नहीं
बचोगे। हा हा हा!



पलक झपकने के साथ ही यूसुफ ने बम नागराज की ओर उछाल फेंका—

हा हा हा

उफ!
यह तो पागल
ही गरा है!



भीषण विस्फोट से समुद्र का सीमा कौंध उठा—

बुड़न बड़ास



समुद्र में चारों तरफ आग फैल गई -



इधर यह सारा खूनी तमाशा देखा रुएषा ने जिसने यूसुफ के समुद्र में गिरने के बाद हेलीकॉप्टर चालक को समुद्र किनारे हेलीकॉप्टर उतारने के लिए मजबूर कर दिया था -



उफ! नागराज! यह क्या हो गया!

झींझ ही रुएषा प्रसन्नता से भरी चीख पड़ी -



नागराज! नागराज एक बार फिर मौत को धोखा देने में कामयाब हो गया।



ओह! नागराज! तुम अद्भुत मानव हो।

रुएषा! जाकिम यूसुफ खिन अहली खान अपनी ही लगाई आग में जल मरा।



ओह नागराज! आज मैं बेहद खुदा हूँ! बेहद खुदा!

चलो रुएबा! नागराज का काम अभी खत्म नहीं हुआ! दुबई की जंगल के सामने तुम्हें यहाँ की नयी साम्राज्ही घोषित करना है!

नागराज! मुझे सत्ता का भालूच नहीं है!



मैं जानता हूँ! लेकिन अपने मुल्क की भलाई के लिए तुम्हें ये पद ग्रहण करना ही होगा!

और इस प्रकार रुएबा को दुबई का शासन सौंपकर नागराज ने उनसे विदा ली -

कभी वक्त पड़ा तो रुएबा अपनी जान तुम पर न्यौछावर कर देगी नागराज!



और फिर अगले दिन भारत के एक होटल में -

दुबई की नई साम्राज्ही रुएबा! नागराज द्वारा इतान वार्ड.बी.ए.के. फोर्स और यूसुफ बिन अली खान का स्वात्मा!



समाप्त